# Signature and Name of Invigilator 1. (Signature) \_\_\_\_\_\_ (In figures as per admission card) (Name) \_\_\_\_\_\_ 2. (Signature) \_\_\_\_\_ (In words) Test Booklet No.

D-6509

Time : 2 \(^1/\_2\) hours PAPER-III [Maximum Marks : 200 PERFORMING ARTS

Number of Pages in this Booklet: 32

#### **Instructions for the Candidates**

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

#### No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
  - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

Number of Questions in this Booklet: 26

#### परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- 1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- 2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

#### इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है:
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
  - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपर्वक पढें।
- 5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- 6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।
- 9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।

D-6509 P.T.O.

# PERFORMING ARTS DANCE / DRAMA / THEATRE

#### अभिनय कला

नृत्य / नाटक / रंगमंच

#### **PAPER-III**

#### प्रश्नपत्र-III

**Note:** This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

## SECTION – I खण्ड – I

**Note:** This section contains **five** (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty** (30) words and carries **five** (5) marks.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ Marks})$ 

नोट: इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । (5 × 5 = 25 अंक)

Needless to say, performers who work within a network of codified rules have a greater freedom than those who – like occidental performers – are prisoners of arbitrariness and an absence of rules. But oriental performers pay for their greater liberty with a specialisation which limits their possibilities of going beyond what they know. A set of precise, useful and practical rules for the performer seems to be able to exist only by being absolute; closed to the influence of other traditions and experience. Almost all masters in oriental theatre enjoin their students not to concern themselves with other performance genres. Sometimes they even ask them to not watch other forms of theatre or dance. They maintain that this is the way to preserve the purity of the performers' style and that their complete dedication to their own art is thereby demonstrated. This defence mechanism has at least the merit of avoiding the pathological condition which results from an awareness of the relativity of rules: a lack of any rules at all and a falling into arbitrariness.

यह कहने की आवश्यकता नहीं कि पाश्चात्य — जो स्वेच्छाचारिता तथा नियमिवहीनता के कैदी होते हैं — की अपेक्षा संहिताबद्ध नियम-तंत्र के अन्तर्गत काम करने वाले प्रदर्शकों को अधिक स्वतंत्रता होती है । परन्तु पूर्वदेशीय प्रदर्शकों को अपनी स्वतंत्रता की पूर्ति अपनी विशेषज्ञता, जो उनकी संभाव्यताओं को उनके ज्ञान की सीमा से परे जाने से रोकती है, के द्वारा करनी होती है । निष्पादकों के लिए निर्धारित, उपयोगी तथा व्यावहारिक नियमों के सेट केवल पूर्ण रहकर तथा अन्य परम्पराओं एवं अनुभव के प्रभाव से मुक्त रहकर ही अस्तित्व में कायम रह सकते हैं । लगभग सभी पूर्वदेशीय रंगमंच के अधिकारी विद्वान अपने छात्रों को अन्य प्रदर्शन शैलियों से सरोकार नहीं रखने का निर्देश देते हैं । कभी-कभी वे उनसे यह भी कहते हैं कि रंगमंच तथा नृत्य की अन्य शैलियों का अवलोकन वे नहीं करें । वे मानते हैं कि यह प्रदर्शन शैली की विशुद्धता को संरक्षित करने का तरीका है तथा इससे अपनी कला के प्रति उनका पूर्ण समर्पण प्रदर्शित होता है । इस सुरक्षा-तंत्र में विकृतिकारक अवस्था से बचाव का गुण है जो नियमों की सापेक्षिकता : पूर्णत: नियम विहीनता तथा स्वेच्छाचारिता के गर्त में गिरने – के प्रति जागरूकता से प्रतिफलित होती है ।

1.	How the network of codified rules gives a greater freedom to the classical performer?
	संहिताबद्ध नियमों का तंत्र किस प्रकार शास्त्रीय प्रदर्शकों को अधिक स्वतंत्रता प्रदान करता है ?
2	W/L
2.	Why occidental performers are considered the prisoners of arbitrariness?
	पाश्चात्य प्रदर्शकों को स्वेच्छाचारिता का कैदी क्यों कहा जाता है ?

4

D-6509

3.	How oriental performers pay for their greater liberty with a specialization ? पूर्वदेशीय प्रदर्शक अपनी वृहत्तर स्वतंत्रता की पूर्ति विशेषज्ञता से किस प्रकार करते हैं ?
4.	In your opinion how the purity of the performers' style can be preserved?
	आपकी राय में, प्रदर्शनकर्त्ता की शैली की विशुद्धता को किस प्रकार संरक्षित किया जा सकता है ?

5.	What is the merit of the defence mechanism adopted by the performer?						
	प्रदर्शनकर्त्ता द्वारा अपनाए गए सुरक्षा तंत्र का क्या गुण है ?						

#### **SECTION - II**

#### खण्ड 🗕 II

### COMMON TO DANCE / DRAMA / THEATRE

नृत्य / नाटक / रंगमंच के लिए सामान्य

Note: This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.  $(15 \times 5 = 75 \text{ Marks})$ 

नोट: इस खंड में **पाँच-पाँच (5-5)** अंकों के **पंद्रह (15)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंको का है । (15 × 5 = 75 अंक)

6.	How relevant is Guru Shishya Parampara in the Performing Arts ? प्रदर्शनकारी कलाओं में गुरु-शिष्य परम्परा कितनी प्रासंगिक है ?
7.	While giving the names of various Sthayi bhava and Sanchari bhava establish their relations with Rasa.  विभिन्न स्थायी भावों तथा संचारी भावों का नामोल्लेख करते हुए रस के साथ उनका संबंध स्थापित कीजिए ।

8.	Artistic activity of a high order is aesthetically satisfying. उच्च स्तरीय कलात्मक गतिविधि सौंदर्यबोध की दृष्टि से संतुष्टिकारक होती है ।
	०-न रतरान नर ॥राजान राष्ट्रमणाच नम् युग्चरा राष्ट्राच्चमरच्य हारा। ह ।
9.	Focus on the relevance of training of Dance and Drama in Modern period. आज के समय में नृत्य तथा नाटक के शिक्षण-प्रशिक्षण की प्रासंगिकता बतलाइए ।

10.	Natya Dharmi is the conventional aspect of Bharata's stage.
	नाट्य धर्मी भारत के रंगमंच का पारम्परिक पहलू है ।
11.	Describe Natya, Nritta and Nritya according to Dashroopak.
	दशरूपक के अनुसार नाट्य, नृत्त, तथा नृत्य का वर्णन कीजिए ।

12.	Describe Mārga and Desi as per Bharata. भरत के अनुसार मार्ग तथा देशी का वर्णन कीजिए ।
13.	Give an introductory description of any one Dance or Traditional Theatre of Sri Lanka or Thailand. श्रीलंका अथवा थाईलैंड के किसी एक नृत्य अथवा पारंपरिक थियेटर का विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

14.	Differentiate Classical from Folk.
	शास्त्रीय तथा लोक के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए ।
15	Explain 'Ras Sutra' in brief.
13.	'रस सूत्र' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए ।
	रत रूप चम्र सादारा ज्याख्या चम्राचार ।

	16.	Mention the importance of Improvisation. इंप्रोवाइजेशन के महत्त्व का उल्लेख कीजिए ।
	17.	What is the importance of Chatushra gati in Performing Arts?
		प्रदर्शनकारी कलाओं में चतुस्र गित का क्या महत्त्व है ?
-		

18.	Write about Hindustani tal system in brief.
	हिन्दुस्तानी ताल प्रणाली के विषय में संक्षिप्त चर्चा कीजिए ।
19.	Ragas have the ability to create different moods. Comment.
	रागों में विभिन्न चित्तवृत्तियों के सृजन की क्षमता होती है । टिप्पणी करें ।

20.	ording to Bhai नुसार आदर्श प्रेक्षक	rata is an Ideal <i>I</i> 5 कौन है ?	Audience ?		

# SECTION – III खण्ड – III

Note: This section contains **five** (5) questions from each of the electives/specialisations. The candidate has to choose only **one** elective/specialisation and answer all the **five** questions from it. Each question carries **twelve** (12) marks and is to be answered in about **two hundred** (200) words. ( $5 \times 12 = 60$  Marks)

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **पाँच (5)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से **पाँचों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **बारह (12)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **दो सौ (200)** शब्दों में अपेक्षित है ।  $(5 \times 12 = 60 \text{ अंक})$ 

ELECTIVE-I DANCE ऐच्छिक-I नृत्य

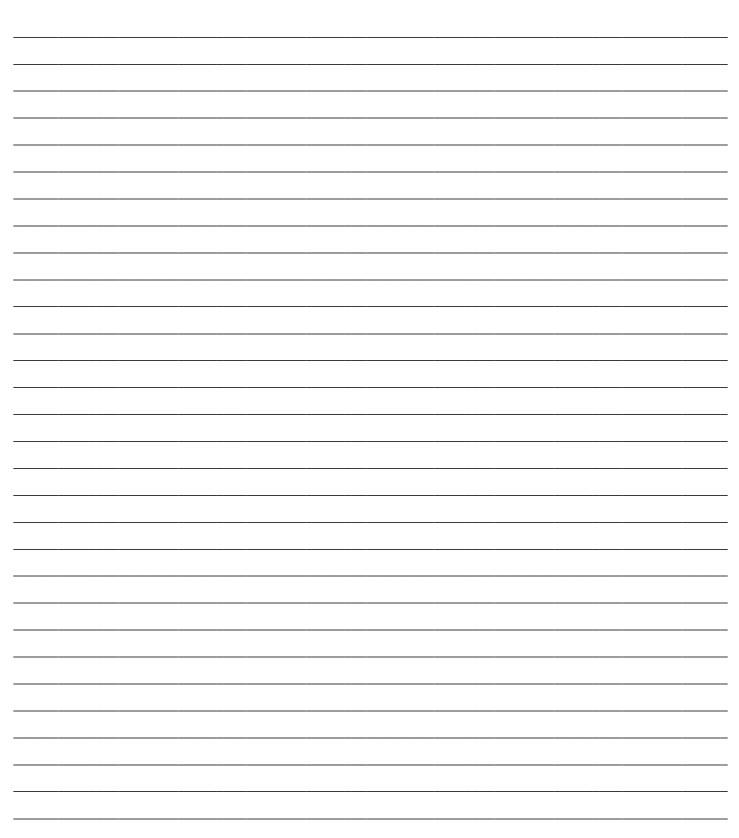
21. 'Indian classical dance imbibe contemporary issues.' Give your opinion. भारतीय शास्त्रीय नृत्यों ने समकालीन विषयों को आत्मसात किया है । अपने विचार दीजिए ।

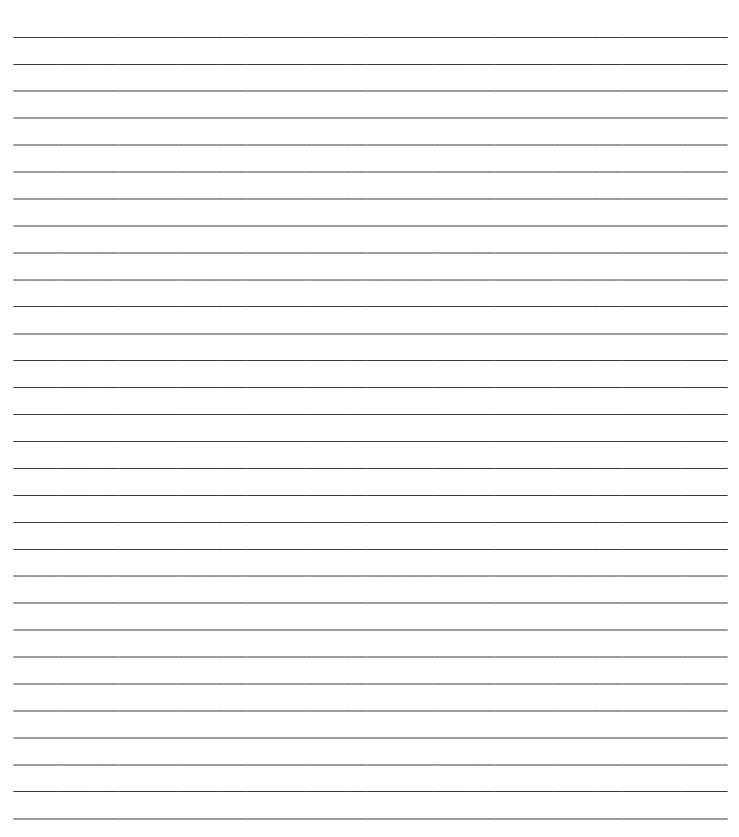
- 22. Describe the interrelation of Dance with Sculpture and Painting. नृत्य से चित्रकला और मूर्तिकला के अन्तर्सम्बद्ध का वर्णन कीजिए ।
- 23. Throw light on the importance of light arrangement and costume in Dance. नृत्य में प्रकाश व्यवस्था और वेशभूषा के महत्त्व पर प्रकाश डालिये ।
- 24. Write about the specialities of literature which are used in Dance. नृत्य में प्रयोग होने वाले साहित्य की विशेषताएँ लिखिए ।
- 25. Compare any two Classical Dances of India in their Technique and Presentation. तकनीक और प्रस्तुति के आधार पर किन्हीं दो शास्त्रीय नृत्य की तुलना कीजिए ।

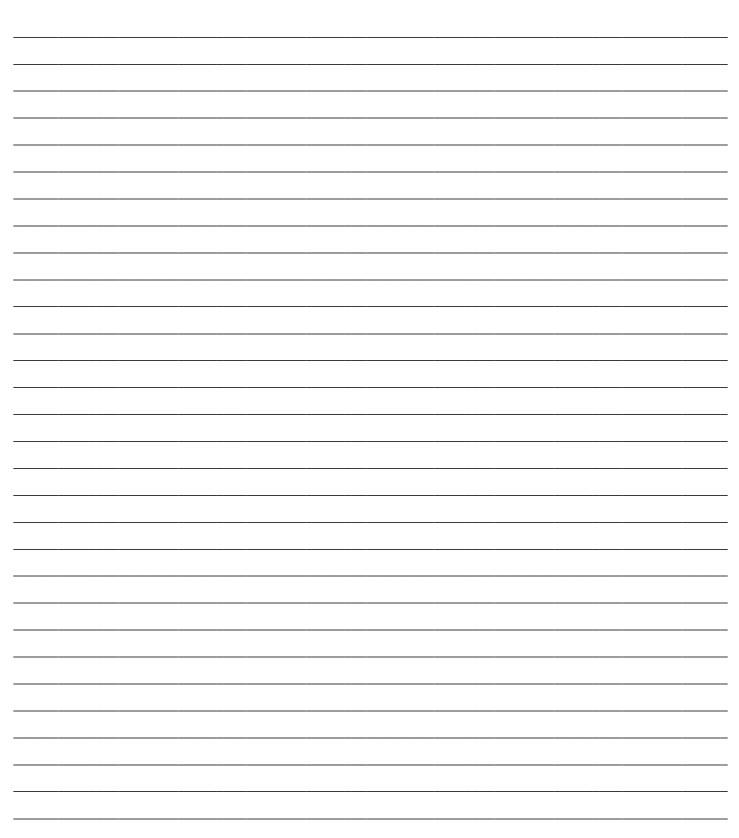
#### OR/अथवा

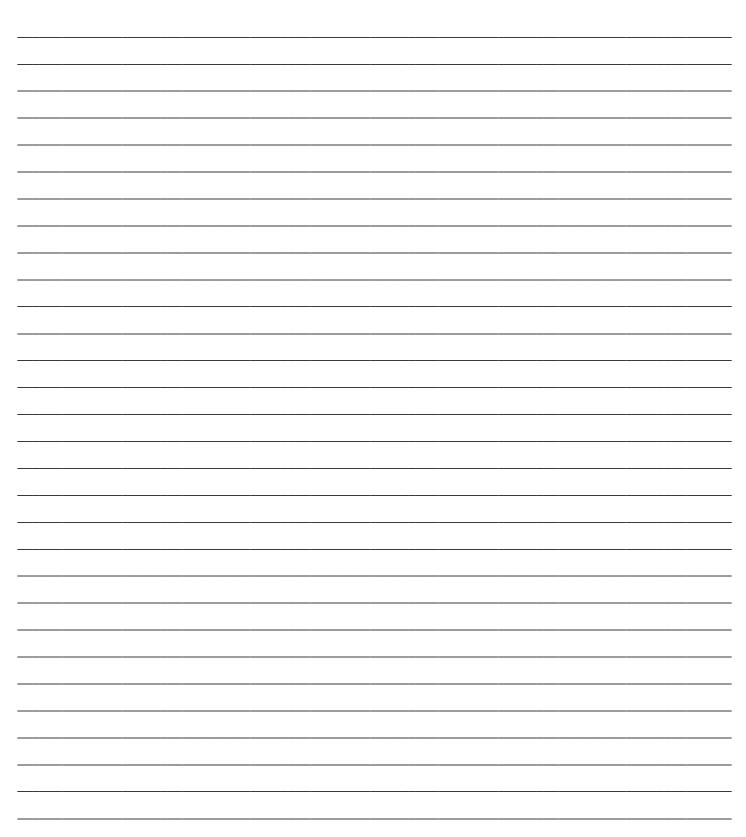
# ELECTIVE-II DRAMA / THEATRE ऐच्छिक-II नाटक / रंगमंच

- 21. How expressionism has influenced playwriting? Discuss with suitable examples from western dramatic literature.
  - अभिव्यक्तिवाद ने किस प्रकार नाट्यलेखन को प्रभावित किया है ? पाश्चात्य नाटक साहित्य से उपयुक्त उदाहरण देते हुए इसका विवेचन कीजिए ।
- 22. What are the major trends in the contemporary Indian Theatre? Discuss in the context of important plays and their performances.
  - समसामियक भारतीय रंगमंच की प्रधान प्रवृत्तियाँ कौन सी हैं ? महत्त्वपूर्ण नाटकों तथा उनके प्रदर्शनों के संदर्भ में विवेचन कीजिए ।
- 23. What is the influence of major contemporary Western theories of acting on actor's training in India? Discuss.
  - भारत में अभिनेताओं के शिक्षण-प्रशिक्षण पर प्रमुख समसामयिक पाश्चात्य सिद्धांतों के प्रभाव का विवेचन कीजिए ।
- 24. How the text is transformed into performance? Discuss the creative process of Theatre Director.
  - पाठ को प्रदर्शन में किस प्रकार रूपांतरित किया जाता है ? रंगमंच निर्देशक की सृजनात्मक प्रक्रिया का विवेचन कीजिए ।
- 25. What are the basic functions of various elements of play production? Discuss with proper examples.
  - नाट्य-प्रस्तृतिकरण के विभिन्न तत्त्वों के मूलभूत कार्य क्या हैं ? सोदाहरण विवेचन कीजिए ।




# SECTION – IV खण्ड – IV

Note: This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered

in about one thousand (1000) words on any one of the following topics.

 $(1 \times 40 = 40 \text{ Marks})$ 

नोट: इस खण्ड में एक चालीस (40) अंकों का एक निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से

केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

 $(1 \times 40 = 40$  अंक)

#### **DANCE**

नृत्य

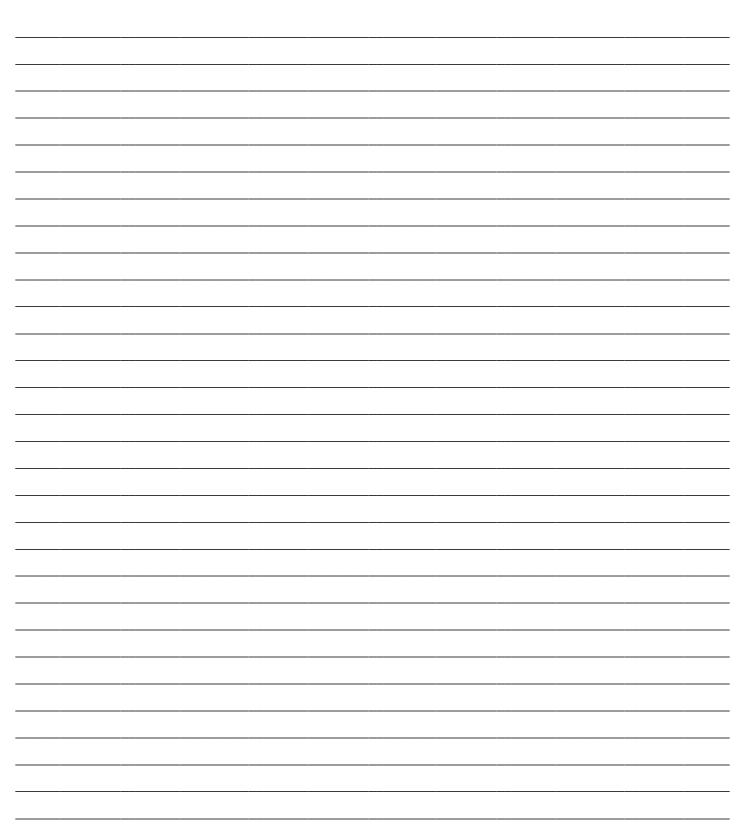
26. Describe in detail any one regional folk dance of India. भारत के किसी एक क्षेत्रीय लोकनृत्य का सविस्तार वर्णन कीजिए ।

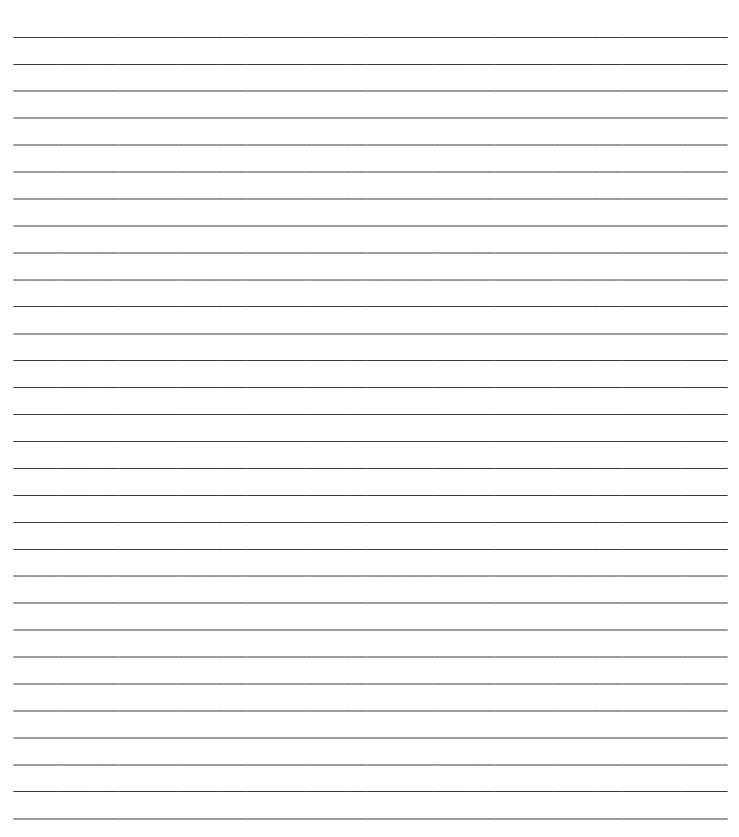
#### OR/अथवा

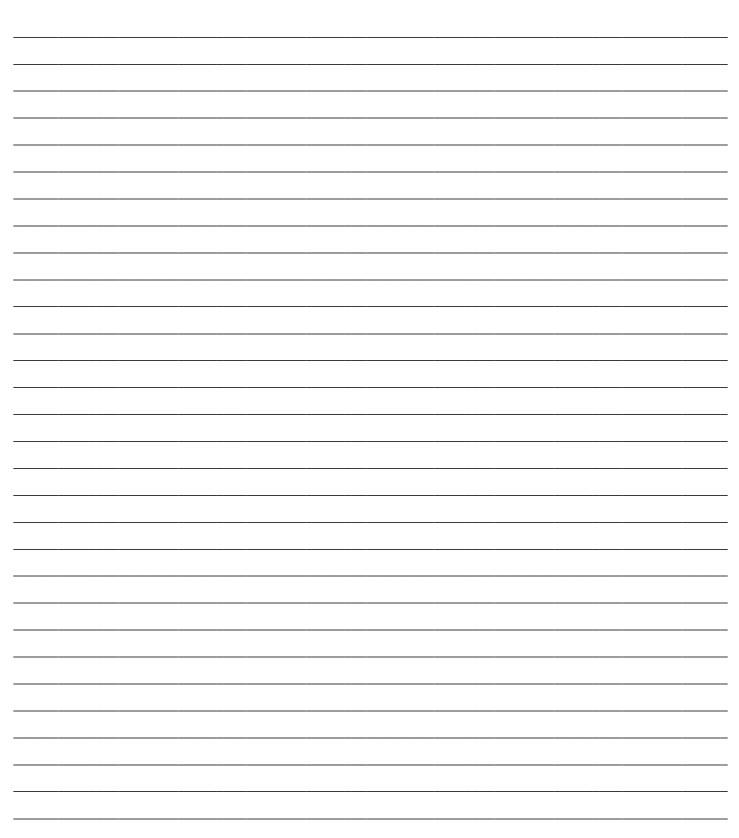
#### **DRAMA / THEATRE**

नाटक / रंगमंच

Trace the evolution of modern tragedy from Ibsen to Becket. इब्सन से लेकर बेंग्द्रा तक आधुनिक त्रासदी के क्रम विकास का ब्योरा प्रस्तुत कीजिए ।



FOR OFFICE USE ONLY		
Marks Obtained		
Question	Marks	
Number	Obtained	
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		

Total Marks Obtained (in w	ords)
(in fig	gures)
Signature & Name of the Co	oordinator
(Evaluation)	Date